# Note For Pad

Under the ' Devolution of Powers to Panchayati Raj Institutions', handing over the Drinking Water Supply Scheme to Gram Panchayats was approved in year 2009 and hence, subsequently handing over of a “Single village scheme up to Six tubewells” was approved in 2010. 3809 tubewells have been transferred by the Public Health Engineering Department to the Gram Panchayat for operation and maintenance. 6158 tubewell operators (water workers) are registered on the REMS (Rural Employees Management System) portal of the Development and Panchayat Department. Each tubewell operator is being given honorarium @ of Rs.11691/- per month by the department, whose budget per month is Rs.7,19,93,178/- (Rs. 7.2 Cr.) and annual budget is Rs.86,39,18,136/-(Rs. 86.39 Cr.).

For the operation and maintenance of these tube wells, the amount spent per tubewell scheme as per the annual maintenance estimate prepared by the Public Health Engineering Department according to the technical norms ranges from Rs.1.17 lakh to Rs.2.17 lakh per annum (excluding salary/wages and electricity charges of the employees). Apart from this, the amount also depends on the time duration the Gram Panchayats operates the tubewell during the day, whether the supply of electricity is continuous or not, depending on the area of the district, the expenditure may be vary.

In the Gram Panchayats which do not have any source of income, the work of repair & maintenance of drinking water supply scheme transferred to Gram Panchayats for water supply is done by the Public Health Engineering Department. Additionally, 50% of the tied grant received under the 15th Finance Commission scheme can be utilised by the Gram Panchayat on works related to drinking water. During the year 2022-23 the expenditure done by Gram Panchayats on repair and maintenance of these tubewells schemes is placed overleaf.

Further, the department has issued the Job Description of the Tubewell operators as described below: -

| Sr. No. | Job Description | Job Hours |
|---|---|---|
| 1. | Operation of Tube well | First 2 hours of a day |
| 2. | Work as Peon-cum-Mali in Gram Sachivalay or Panchayat Ghar | Middle 2 hours of a day |
| 3. | Maintenance of Park-cum-Vyamshala working as Mali or 3-pond/5-pond or PHC/Veterinary Hospital/School or any other Village Level Building | Middle 2 hours of a day |
| 4. | Operation of the Tube well | Last 2 hours of a day |

**District wise Expenditure done by Gram Panchayat during 2022-23 on Repair & Maintenances of Tubewell Scheme.**

| Sr. No. | Name of District | Total Expenditure (2022-23) | Name of Scheme |
|---|---|---|---|
| 1 | Ambala | 1872981 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 2 | Bhiwani | 12000 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 3 | Charkhi Dadri | 3676381 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 4 | Faridabad | 2589913 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 5 | Fatehabad | 11622534 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 6 | Gurugram | 6747340 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 7 | Hisar | 95500 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 8 | Jhajjar | 977695 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 9 | Jind | 2414138 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 10 | Kaithal | 5519391 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 11 | Karnal | 1414217 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 12 | Kurukshetra | 5910383 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 13 | Mahendragarh | 6199282 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 14 | Nuh | 2807024 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 15 | Palwal | 1160474 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 16 | Panchkula | 150996 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 17 | Panipat | 13302697 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 18 | Rewari | 7918912 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 19 | Rohtak | 0 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 20 | Sirsa | 3432481 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 21 | Sonipat | 1037644 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
| 22 | Yamunanagar | 7267867 | SFC/FFC/Panchayat Fund |
|  | G.Total | 86129850 |  |

## नोट फार पैड

वर्ष 2009 में ''पंचायती राज संस्थाओं को शक्तियों के हस्तांतरण'' के तहत ग्राम पंचायतों को पेयजल आपूर्ति योजना सौंपने की मंजूरी दी गई थी और वर्ष 2010 में ''छह नलकूपों तक की एकल ग्राम योजना'' सौंपने की मंजूरी दी गई थी। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को रख–रखाव व संचालन के लिए 3809 टयूबवैल स्थांनातरित किए गए है। विकास एवं पंचायत विभाग के आर0ई0एम0एस0 (ग्रामीण कर्मचारी प्रंबधन प्रणाली) पोर्टल पर 6158 टयूबवैल ऑपरेटर (जलकर्मी) दर्ज हैं। प्रत्येक टयूबवैल ऑपरेटरों को विभाग द्वारा 11691/–रू0 की दर से प्रति माह मानदेय प्रदान किया जा रहा है जिसका प्रतिमाह बजट 7,19,93,178/–रू0 (7.2 करोड़ रू0) व वार्षिक बजट 86,39,18,136/–रू0 (86.39करोड़ रू0) है।

इन टयूबवैलों के संचालन व रख–रखाव के लिए जन–स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रति नलकूप स्कीम प्रतिवर्ष व्यय की जाने वाली राशि तकनीकी मानदंडों पर आधारित वार्षिक अनुमान (वर्ष 2022–23) अनुसार रूपये 1.17 लाख से लेकर 2.17 लाख (कर्मचारियों के वेतन/मजदूरी और बिजली शुल्क को छोड़कर) तक है। इसके अतिरिक्त यह राशि इस पर भी निर्भर करती है कि ग्राम पंचायतें टयूबवैल का दिन में कितने समय तक संचालन करती है, बिजली की आपूर्ति लगातार है या फिर रूकावट होती है, यहाँ जिला के क्षेत्र को देखते हुए खर्चा कम व ज्यादा भी हो सकता है। जिन ग्राम पंचायतों में आय के कोई स्त्रोत नहीं है ऐसी ग्राम पंचायतों में जल आपूर्ति के लिए ग्राम पंचायतों को स्थांनातरित की गई पेयजल आपूर्ति स्कीम के रख–रखाव व मुरम्मत का कार्य जन–स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत के पास 15 वे वित्त आयोग स्कीम के तहत प्राप्त टाईड ग्रांट की 50 प्रतिशत राशि जल आपूर्ति/पीने के पानी से सम्बंधित कार्य पर खर्च की जा सकती है। वर्ष 2022–23 के दौरान ग्राम पंचायतों द्वारा ट्यूबवैल स्कीमों पर मुरम्मत एवं रखरखाव पर खर्च की गई राशि का विवरण साथ संलग्न है।

विभाग ने नलकूप संचालकों का कार्य विवरण जारी किया है जिसका विवरण नीचे दिया गया हैः–

| क्र0 सं0 | कार्य का विवरण | कार्य के घंटे |
|---|---|---|
| 1 | नलकूप का संचालन | दिन में पहले 2 घंटे |
| 2 | ग्राम सचिवालय या पंचायत घर में चपरासी–सह–माली के रूप में | दिन में 2 घंटे काम करना |
| 3 | पार्क–सह–व्यामशाला माली या 3–तालाब/5–तालाब या पीएचसी/पशु चिकित्सा अस्पताल/स्कूल या कोई अन्य ग्राम स्तरीय भवन का रखरखाव का कार्य | दिन के बीच में 2 घंटे |
| 4 | नलकूप का संचालन | दिन के अंतिम 2 घंटे |